U.P. BOARD CLASS 12 HINDI PAPER 1 - 2018
उत्तर प्रदेश बोर्ड कक्षा 12 हिन्दी प्रथम प्रश्न पत्र- 2018

301 (AD)

हिन्दी

समय: तीन घण्टे 15 मिनट - पूर्णांक: 50

निर्देशः प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

1. (क) 'शेखर: एक जीवन' के लेखक हैं (1)

(1) जयशंकर प्रसाद (2) भीष्म साहनी (3) भगवतीचरण वर्मा (4) 'अज्ञेय'।

(ख) 'अशोक के फूल' के रचनाकार हैं (1)

(1) डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी (2) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल (3) बाबू श्यामसुंदर दास (4) मोहन राकेश।

(ग) 'आवारा मसीहा' की विधा है (1)

(1) उपन्यास (2) जीवनी (3) आत्मकथा (4) डायरी।

(घ) 'बनारस अखबार' के प्रकाशक थे। (1)

(1) भारतेन्दु हरिशचन्द्र (2) राजा शिवप्रसाद सितारे हिन्द

(3) सदल मिश्र (4) राजा लक्ष्मण सिंह।

(ड.) 'कल्पलता' निबन्ध संग्रह है। (1)

(1) वासुदेवशरण अग्रवाल का (2) प्रो. जी. सुन्दर रेड्डी का

(3) अज्ञेय का (4) मोहन राकेश का।

2. (क) 'संख्या सुंदरी' के रचनाकार हैं। (1)

(1) सुमित्रानंदन पंत (2) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

(3) 'दिनकर' (4) महादेवी वर्मा।

(ख) निम्न में से 'ज्ञानपीठ पुरस्कार' नहीं मिला है। (1)

(1) जयशंकर प्रसाद को (2) सुमित्रानन्दन पन्त को

(3) रामधारी सिंह 'दिनकर' को (4) महादेवी वर्मा।

(ग) 'तीसरा सप्तक' का प्रकाशन हुआ था। (1)

(1) सन् 1943 में (2) सन् 1951 में (3) सन् 1955 में (4) सन् 1959 में

(घ) 'बिहारी सतसई' किस काल की रचना है? (1)

(1) आदिकाल की (2) भक्तिकाल की (3) रीतिकाल की (4) आधुनिक काल की।

(ड.) 'उद्धव शतक' की रचना किस भाषा में हुई है? (1)

(1) अवधी (2) ब्रजभाषा (3) खड़ी बोली (4) अप्रभंश।

3. (क) निम्नलिखित अवतरणों में से किसी एक की संदर्भ-सहित व्याख्या कीजिए: (1+6=7)

(1) ज्यों-ज्यों कर्म क्षीण होता जाता है, त्यों-त्यों निन्दो की प्रवृत्ति बढ़ती जाती है। कठिन कर्म ही ईर्ष्या-द्वेष और इनसे उत्पन्न निन्दा को मारता है। इन्द्र बड़ा ईर्ष्यालु माना जाता है, क्योंकि वह निठल्ला है। स्वर्ग में देवताओं को बिना उगाया अन्न, बे बनाया महल और बिन-बोये फल मिलते हैं। अकर्मण्यता में उन्हें अप्रतिष्ठित होने का भय बना रहता है, इसलिए कर्मी मनुष्यों से उन्हें ईर्ष्या होती है।

(2) अशोक का वृक्ष जितना भी मनोहर हो, जितना भी रहस्यमय हो, जितना भी अलंकारमय हो, परन्तु है वह उस विशाल सामंत-सभ्यता की परिष्कृत रुचि का ही प्रतीक, जो साधारण प्रजा के परिश्रमों पर पली थी, उसके रक्त के संसार कणों को खाकर बड़ी हुई थी और लाखों-करोड़ों की उपेक्षा से जो समृद्ध हुई थी। वे सामंत उखड़ गए, समाज ढह गए, और दिनोत्सव की धूमधाम भी मिट गई। संतान कामिनियो को गन्धवी से अधिक शक्तिशाली देवताओं का वरदान मिलने लगा-पीरों ने, भूत-भैरवों ने, काली-दुर्गा ने यक्षों की इज्जत घटा दी। दुनिया अपने रास्ते चली गई, अशोक पीछे छूट गया।

(ख) निम्नलिखित सूक्तियों में से किसी एक सूक्ति की संदर्भ-सहित व्याख्या कीजिए: (1+2=3)

(1) सारा संसार स्वार्थ का अखाड़ा ही तो है।

(2) नकार का अपना एक ऐश्वर्य है।

(3) निन्दा का उद्गम ही हीनता और कमजोरी से होता है।

4. (क) निम्नलिखित अवतरणों में से किसी एक की संदर्भ-सहित व्याख्या कीजिए: (1+6=7)

(1) यह मनुज, जो सृष्टि का श्रृंगार,
ज्ञान का, विज्ञान का, आलोक का आगार।
'व्योम से पाताल तक सब कुछ इसे है ज्ञेय',
पर, न यह परिचय मनुज का, यह न उसका श्रेय।
श्रेय उसका, बुद्धि पर चेतन्य उर की जीत;
श्रेय मानव की असीमित मानवों से प्रीत।
एक नर से दूसरे के बीच का व्यवधान
तोड़ दे जो, बस वही ज्ञानी, वही विद्वान्,
और मानव भी वही।

(2) अखिल यौवन के रंग उभार
हड्डियों के हिलते कंकाल
कचों के चिकने वाले व्याल
केंचुली, काँस, सिवार।
गूँजते हैं सबके दिन चार,
सभी फिर हाहाकार।

(ख) निम्नलिखित सूक्तियों में से किसी एक सूक्ति की संदर्भ-सहित व्याख्या कीजिए: (1+2=3)

(1) वे मुर्दे होंगे प्रेम जिन्हंे सम्मोहनकारी हाला है।

(2) जनकर जननी ही जान न पाई जिसको।

(3) तप नहीं केवल जीवन सत्य।

5. निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक लेखक का जीवन-परिचय देते हुए उसकी रचनाओं का उल्लेख कीजिए: (4)

(1) हरिशंकर परसाई (2) हजारी प्रसाद द्विवेदी (3) अज्ञेय (4) मोहन राकेश।

6. निम्नलिखित कवियों में से किसी एक कवि का जीवन परिचय देते हुए उनकी साहित्यिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(1) मैथिलीशरण गुप्त (2) सुमित्रानन्दन पंत (3) महादेवी वर्मा (4) हरि औध।

7. (क) कहानी तत्त्वों के आधार पर 'ध्रुवयात्रा' अथवा 'बहादुर' कहानी की समीक्षा कीजिए। (4)

अथवा

'खून का रिश्ता' अथवा 'लाटी' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

(ख) स्वपठित नाटक के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक का उत्तर दीजिए: (4)

(1) 'कुहासा का किरण' नाटक के प्रमुख नारी-पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए।

अथवा

'कुहासा और किरण' नाटक की विशेषताएँ लिखिए।

(2) 'आन का मान' के आधार पर दुर्गादास का चरित्र-चित्रण कीजिए।

अथवा

'आन का मान' नाटक की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(3) 'सूतपुत्र' नाटक के आधार पर श्रीकृष्ण की चारित्रिक विशेषताएँ बताइए।

अथवा

'सूतपुत्र' नाटक की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(4) 'राजमुकुट' नाटक की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

अथवा

'राजमुकुट' नाटक के प्रमुख पात्र का चरित्रांकन कीजिए।

(5) 'गरुडध्वज' नाटक की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

अथवा

'गरुडध्वज' नाटक के आधार पर वासन्ती का चरित्र-चित्रण कीजिए।

8. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए। (4)

(क) 'रश्मिरथी' के आधार पर कर्ण के चरित्र पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'रश्मिरथी' के आधार पर कुंती-कर्ण के संवाद की घटना का सारांश लिखिए।

(ख) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के नायक के चरित्र पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' नाटक की प्रमुख घटनाओं पर प्रकाश डालिए।

(ग) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की प्रमुख घटनाओं का सारांश लिखिए।

अथवा

'सत्य की जीत' के आधार पर युधिष्ठिर का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(घ) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य की प्रमुख घटनाओं का वर्णन कीजिए।

अथवा

'आलोकवृत्त' के आधार पर गाँधी जी की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(ड) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'त्यागपथी' के आधार पर हर्षवर्द्धन का चरित्र चित्रण कीजिए।

(च) 'श्रवण कुमार' के प्रमुख पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए।

अथवा

'श्रवण कुमार' खण्डकाव्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

.....